SUBJECT: GEOGRAPHY

CLASS: B.A. Part Ist (Hons.), PAPER: Ist, UNIT: Vth.

TOPIC :- RELIEF OF THE ATLANTIC OCEAN

BY:— Dr. Sanjay Kumar, Assistant Professor, Dept. of Geography.
D.B. College, Jaynagar, L.N.M.U., Darbhanga.
(Email- sanjaykumar.phd@gmail.com)

LECTURE No.- 19

(Relief of the Atlantic Ocean, Cont....)

3) बेसिन (Basins) – मध्य अंध महासागरीय कटक सम्पूर्ण अंध महासागर को दो बेसिनों में विभक्त करता है जिसे आगे कई उपबेसिनों में बाँटा जाता है। वस्ट महोदय ने 4000 मीटर की गहराई को बेसिन की सीमा माना है। प्रमुख बेसिन निम्नलिखित है :-

(i) लेब्रेडोर बेसिन → यह 40° से 50° उत्तरी अक्षांशों के बीच ग्रीनलैंड के पूर्वतट तथा न्यूफाउंडलैंड के उभार के मध्य में स्थित है।

(ii) उत्तर-पूर्वी अंध महासागरीय बेसिन → यह ऐजोर्स उभार के उत्तर में 38° से 50° उत्तरी अक्षांशों के बीच स्थित है और आइबेरियन बेसिन के नाम से विख्यात है।

(iii) उत्तरी-पश्चिमी अंध्यमहासागरीय बेसिन → यह उत्तरी अंध महासागर का सबसे बड़ा बेसिन है जो अमेरिका के तट से 55° प० देशांतर तथा 12° से 40° उत्तरी अक्षांशों के बीच फैला हुआ है।

(iv) केप वर्डे बेसिन → यह 10° से 38° उत्तरी अक्षांशों के बीच अफ्रीका तथा मध्य कटक के बीच स्थित है। यह 5000 से 7000 मीटर गहरा है।

(v) गायना बेसिन → यह अफ्रीका के गायना तट के निकट उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व दिशा में स्थित है।

(vi) ब्राजील बेसिन → यह भूमध्य रेखा से 30° दक्षिणी अक्षांश तक ब्राजील के तट के निकट स्थित है।

(vii) दक्षिणी-पूर्वी अंध्यमहासागरीय बेसिन → यह अफ्रीका के तट के निकट गायना उभार तथा वेल्विस उभार के बीच उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम दिशा में फैला हुआ है। यह लगभग 6700 मी० गहरा है।

(viii) केप बेसिन → यह अफ्रीका के पश्चिम में 28° से 41° दक्षिणी अक्षांशों के बीच स्थित है।

Scanned with CamScanner

(ix) अर्जेंटीना बेसिन → यह अर्जेंटीना के तट से मध्य कटक तक 35° से 50° दक्षिणी अक्षांशों के बीच स्थित है। इसकी औसत गहराई 5000 मीटर है परंतु उत्तरी भाग में यह 7000 मीटर गहरा है।

(x) आगुलहास बेसिन → यह आशा अंतरीप के दक्षिण में स्थित है। 40° से 50° अक्षांशों के बीच यह अधिक चौड़ा हो गया है।

4) गर्त (Deeps):- मरे (Murray) के अनुसार अंध महासागर में 19 गर्त है जिनकी गहराई 3000 फैदम (5500 मीटर) से अधिक है। 7000 मीटर से अधिक गहरे गर्त केवल दो ही हैं। इस महासागर की सबसे गहरे गर्त प्यूरिटो रिको गर्त (Puerto Rico Deep) है जो 5050 फैदम गहरा है। यह प्यूरिटो रिको द्वीप के ठीक उत्तर में स्थित है। दूसरा दक्षिणी सैंडविच गर्त (South Sandwich Deep) है जो इसी नाम के द्वीप के पूर्व की ओर स्थित है। इसकी गहराई 4552 फैदम आँकी गई है। इसके अतिरिक्त रोमांश गर्त, केमन गर्त, नरेस गर्त तथा कुचानन गर्त भी इस महासागर में विद्यमान है।

→ **अंध महासागर के द्वीप:-** उत्तरी अंध महासागर में ब्रिटिश द्वीप तथा न्यूफाउंडलैंड दो विशत-विखपात द्वीप है। ये दोनों द्वीप मग्नतट पर स्थित है और 'महाद्वीपीय द्वीप' कहलाते है। ग्रीनलैंड तथा स्कॉटलैंड के बीच वाली अंत:सागरी कटक के ऊपरे हुए भागों के रूप में आइसलैंड तथा फोरोज द्वीप है। दक्षिणी अंध महासागर में मग्नतटों, अंत:सागरी पठारों तथा जटिल कटकों के ऊपर उठे हुए भाग फाकलैंड, दक्षिणी ओरकेनीज, शटलैंड जोर्जिया एवं सेंडविच द्वीप समूह है।

वास्तविक महासागरीय द्वीप मध्यवर्ती कटक पर ही स्थित है। उत्तर में एजोर्स तथा दक्षिण में एशेन्सन व टिस्टा डी कन्हा द्वीप प्रसिद्ध है।

→ **अंध महासागर के सीमांत सागर →** दक्षिणी अंध महासागर में महाद्वीपीय मग्नतट के अभाव के कारण सीमांत सागरों का भी अभाव है। परंतु उत्तरी अंध महासागर में यूरोप के तटीय भागों के डूब जाने से कई समुद्रों का निर्माण हुआ है। भूमध्य सागर, उत्तरी सागर तथा बाल्टिक सागर प्रमुख हैं। इनमें भूमध्य सागर सबसे बड़ा है। उत्तरी सागर व बाल्टिक सागर कम गहरे है जिनकी गहराई 180 मीटर (100 फैदम) से कम है।

Scanned with CamScanner

अंध महासागर के अमेरिका वाले भाग की ओर भी कई सागर है। हडसन की खाड़ी तथा बैफिन की खाड़ी का अधिकांश भाग 180 मीटर से भी कम गहरा है। ग्रीनलैंड तथा बैफिन द्वीप के बीच वाला डेविस जलडमरूमध्य अंध महासागर को आर्कटिक महासागर से जोड़ता है। मैक्सिको की खाड़ी में अधिकतम गहराई 3405 मीटर (2080 फैदम) है। इसके दक्षिण-पूर्व में कैरेबियन सागर है जिसकी रचनाएड़ी जटिल है। इसमें अनेक द्रोणियां स्थित है। कैरेबियन सागर में वाईलेट गर्त 7200 मीटर गहरा है।

— x — x — x —

Scanned with CamScanner